



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाप्ति पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
३१-५ मार्च २२	१०.३.२२	३	३-४

• खाद्यान उत्पादन में डॉ. रामधन सिंह का अभूतपूर्व योगदान गेहूं, चावल, जौ और दलहनों की 25 उन्नत किस्में की थीं विकसित

भास्तर न्यूज़ | हिसार

सुप्रसिद्ध कृषि वैज्ञानिक रोब बहादुर डॉ. रामधन सिंह द्वारा देश के खाद्यान उत्पादन में अभूतपूर्व योगदान देने के लिए उन्हें आज भी बड़े सम्मान के साथ याद किया जाता है। हरियाणा और पंजाब राज्यों में हरित क्रांति अवधि के दौरान अनाज के उत्पादन और उत्पादकता में जो उपलब्धियां प्राप्त की गई वे उनके द्वारा स्थापित फसल सुधार कार्यक्रमों की मजबूत नींव के कारण ही सभव हो सकते हैं। ऐसे महान वैज्ञानिकों और उनके योगदान को भूलाया नहीं जा सकता। वे विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रौ. बी.आर. काम्बोज ने व्यक्त किए। वे विश्वविद्यालय में स्वर्णीय रोब बहादुर डॉ. रामधन सिंह की जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रम में बतौर मुख्यातिथि बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि डॉ. रामधन सिंह ने अपने जीवन में गेहूं, चावल, जौ तथा दलहनों की 25 उन्नत किस्मों की विकसित किया जिनके परिणामस्वरूप भारतीय उपमहाद्वीप में खाद्यान उत्पादन में अभूतपूर्व वृद्धि हुई।

गोविंद बल्भ पंत कृषि विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय पंत नगर के प्रोफेसर डॉ. जेपी



एचएयू में आयोजित कार्यक्रम को कुलपति प्रौ. बी.आर. काम्बोज संबोधित करते हुए।

जयसवाल ने बदलती मौसमी परिस्थिति के अंतर्गत गेहूं फसल सुधार रणनीति विषय पर मुख्य संभाषण दिया और देश की गेहूं की मांग की व्यापूति के लिए तापमान, रोग व कीट प्रकोप जैसे विभिन्न जैविक व अजैविक दबावों के बावजूद अधिक पैदावार देने वाली किस्में विकसित किए जाने की आवश्यकता जताई। उन्होंने कहा विश्व के मुकाबले भारत के पास केवल 2 प्रतिशत भूमि है जबकि जनसंख्या का हिस्सा 17.6 प्रतिशत है। इससे पूर्व कृषि कॉलेज के ढीन डॉ. एस.के. पाहुजा ने डॉ. रामधन सिंह द्वारा कृषि क्षेत्र में दिए गए अभूतपूर्व योगदान की जानकारी दी।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
‘अभ्यु’ उजाता	१०.५.२२	५	१-५

आयोजन

रामधन सिंह की जयंती के उपलक्ष्य में हुए कार्यक्रम में किया पुस्तक का विमोचन, एचएयू के कुलपति प्रो. बीआर कांबोज बोले-

बासमती 370 किस्म की बदौलत भारत चावल का सबसे बड़ा नियर्यातिक

माई सिटी रिपोर्टर

हिसार। सुप्रसिद्ध कृषि वैज्ञानिक राव बहादुर डॉ. रामधन सिंह को देश के खाद्यान उत्पादन में अभूतपूर्व योगदान देने के लिए उन्हें सम्मान के साथ याद किया जाता है।

उनके फसल सुधार कार्यकर्मों के चलते हरियाणा और पंजाब राज्यों में हरित क्रांति अवधि के दौरान अनाज के उत्पादन और उत्पादकता में उपलब्धियां हासिल की। उनके योगदान को भुलाया नहीं जा सकता।



पुस्तक का विमोचन करते एचएयू में कुलपति प्रो. बीआर कांबोज। संग्रह

ये विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा बीआर कांबोज ने व्यक्त किए। वे कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. विश्वविद्यालय में स्व. राव बहादुर डॉ.

रामधन सिंह की जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित एक कार्यक्रम में बौद्धि विभाग के वैज्ञानिकों द्वारा मुख्यतया बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि उनके द्वारा तैयार की गई बासमती 370 किस्म की बदौलत आज भारत बासमती चावल का सबसे बड़ा नियर्यातिक है।

डॉ. रामधन सिंह ने अपने जीवन में गेहूं चावल, जौ तथा दलहनों की 25 उन्नत किस्मों को विकसित किया। उन्होंने कहा कि डॉ. रामधन सिंह को श्रद्धांजलि दी तथा कहा कि वैज्ञानिकों व विद्यार्थियों को उनसे

प्रेरणा लेनी चाहिए। इस घोषणा पर कुलपति ने कौट विज्ञान विभाग के वैज्ञानिकों द्वारा प्रकाशित किए गए दो मैच्युअल का विमोचन किया।

इस अवसर पर गोविंद बल्भ पंत कृषि विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय पंतनगर के प्रोफेसर डॉ. जे.पी. जयसवात ने कहा कि देश की गेहूं की मांग की आपूर्ति के लिए तापमान, रोग व कीट प्रकोप जैसे विभिन्न जैविक व अजैविक दबावों के बावजूद अधिक पैदावार देने वाली किस्में विकसित करनी होंगी।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम
दीनांक द्वितीय

दिनांक
१०. ५. २२

पृष्ठ संख्या
४

कॉलम
प-५

कृषि विज्ञान केंद्र का किसान मेला संपन्न कम लागत में ज्यादा उत्पादन, फसल विविधिकरण से बढ़ेगी आय



लोहारु की अनाज मंडी में सोमवार को किसान मेले में संबोधित करते
कुलपति प्रो. बी.आर. कर्मोज। -किस

लोहारु, ९ मई (निस)

चौ. चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय एवं गुरु जम्बेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय हिसार के कुलपति प्रो. बी.आर. कर्मोज ने कहा कि कृषि में वर्तमान संसाधनों का इष्टतम प्रयोग करके कम लागत पर अधिकतम उत्पादन तथा फसलों के विविधिकरण से किसानों की आमदनी बढ़ेगी। इसी से किसान के जीवन में खुशहाली आएगी। फसल अवशेष धरती माता का आवरण हैं जो भूमि की उर्वरा शक्ति को बढ़ाते हैं। इसलिए फसल अवशेषों का उचित प्रबंधन करना चाहिए ताकि भूमि की उर्वरा शक्ति बनी रहे। मेले में मिट्टी-पानी की जांच के अलावा मौसम संबंधी जानकारी के लिए निःशुल्क पंजीकरण किया गया।

प्रो. कर्मोज सोमवार को लोहारु की अनाज मंडी में कृषि विज्ञान केंद्र भिवानी व कृषि एवं किसान कल्याण विभाग की ओर से आयोजित किसान मेले को संबोधित कर रहे थे। इस मेले का विषय कपास उत्पादन में कृषि क्रियाएं तथा बीटी कपास में गुलाबी सुंडी प्रबंधन था। उन्होंने कहा कि किसानों की खुशहाली के लिए वैज्ञानिक निरतर मेहनत करते हुए विभिन्न फसलों की उन्नत किस्मों और तकनीकों को विकसित करने में जुटे हुए हैं। किसान की मेहनत, वैज्ञानिकों का ज्ञान व सरकार की सुविधा तीनों को मिलाकर काम करने से किसानों का भला होगा।

उन्होंने कहा कि किसानों को परम्परागत खेती की बजाय फल, फूल, बागवानी, सब्जी की समन्वित खेती पर ध्यान देना होगा।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम
झीर भूम

दिनांक
10.5.22

पृष्ठ संख्या
9

कॉलम
6-8

डॉ. रामधन की जयंती मनाई

■ खाद्यान उत्पादन में डॉ. रामधन सिंह का अभूतपूर्व योगदान : प्रो. काम्बोज



हरियाणा न्यूज़ || हिसार

सुप्रसिद्ध कृषि वैज्ञानिक रॉब बहादुर डॉ. रामधन सिंह द्वारा देश के खाद्यान उत्पादन में अभूतपूर्व योगदान देने के लिए उन्हें आज भी बड़े सम्मान के साथ याद किया जाता है। हरियाणा और पंजाब राज्यों में हरित क्रांति अवधि के दौरान अनाज के उत्पादन और उत्पादकता में जो उपलब्धियां प्राप्त की गई वे उनके द्वारा स्थापित फसल सुधार कार्यक्रमों की मजबूत नींव के कारण ही संभव हो सका है। ऐसे महान

वैज्ञानिकों और उनके योगदान को मुलाया नहीं जा सकता।

ये विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रौ. बीआर काम्बोज ने व्यक्त किए। वे विश्वविद्यालय में स्वर्गीय रॉब बहादुर डॉ. रामधन सिंह की जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रम में बतौर मुख्यातिथि बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि इस महान वैज्ञानिक ने विभिन्न फसलों की नई

किस्में इजाद कर भारत ही नहीं अपितु दुनिया में अलग पहचान बनाई। इस अवसर पर गोविंद बलभंपत कृषि विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय पंतनगर के प्रोफेसर डॉ. जेपी जयसवाल ने बदलती मौसमी परिस्थिति के अंतर्गत गैहु फसल सुधार रणनीति विषय पर मुख्य संभाषण दिया। इस मौके पर अनुसंधान निदेशक डॉ. जीतराम शर्मा आदि मौजूद रहे।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
उज्जीत सभान्याम्	१०.५.२२	५	५-९

खाद्यान उत्पादन में अभूतपूर्व योगदान के लिए याद किए जाते हैं स्वर्गीय डॉ. रामधन सिंह : प्रो. काम्बोज

देश में हरित क्रांति के अवादृत क्रांति के रूप में है पहचान

हिसार, ९ मई (विंदें वर्मा) : सुप्रसिद्ध कृषि वैज्ञानिक रोब बहादुर डॉ. रामधन सिंह द्वारा देश के खाद्यान उत्पादन में अभूतपूर्व योगदान देने के लिए उन्हें आज भी बड़े सम्मान के साथ याद किया जाता है। हरियाणा और पंजाब राज्यों में हरित क्रांति अवधि के दौरान अनाज के उत्पादन और उत्पादकता में जो उत्पलब्धियां प्राप्त की गई वे उनके द्वारा स्थापित फसल सुधार कार्यक्रमों की मजबूत नींव के कारण ही संभव हो सका है। ऐसे महान वैज्ञानिकों और उनके योगदान को भुलाया नहीं जा सकता। ये विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपती प्रो. वी. आर. काम्बोज ने व्यक्त किए। ये, विश्वविद्यालय में स्वर्गीय रोब बहादुर डॉ. रामधन सिंह की जयंती के उत्पादक में आयोजित एक कार्यक्रम में बौद्धी भूखातियां बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि इस महान वैज्ञानिक ने विभिन्न फसलों की नई किस्में इवाद कर भारत ही नहीं अपनी दुनिया में अलग पहचान बनाई। उनके द्वारा तैयार की गई बासमती चावल की 370 किस्म वीज बढ़ीत आज भारत बासमती चावल का सबसे बड़ा नियोजित है। उन्होंने कहा डॉ.

कड़ी मेहनत व लगन के साथ कृषि की जल्दी समस्याओं को लेकर अनुसंधान कार्य करते हुए देश को खाद्यान तथा भोजन सुखा प्रदान करने में योगदान देना चाहिए। उन्होंने कहा मौसम में नियंत्रित हो रहा बदलाव कृषि पैदावार के लिए गंभीर चुनौती पैदा कर रहा है। गत मार्च माह में तापमान में वृद्धि होने के कारण गेहूं

प्रकाशित किए गए दो मैन्युअल का विमोचन किया।

इस अवसर पर गोविंद बल्म पंत कृषि विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय पंतनगर के प्रोफेसर डॉ. जे.पी. जयसवाल ने बदलती मौसमी परिस्थिति के अंतर्गत गेहूं फसल सुधार रणनीति विषय पर मुख्य संभाषण दिया और देश की गेहूं की मांग की अपर्याप्ति के लिए तापमान, रोग व कीट प्रक्रोप जैसे विभिन्न जैविक व अजैविक दबावों के बावजूद अधिक पैदावार देने वाली किस्में विकसित किए जाने की आवश्यकता जताई। उन्होंने कहा किसी भुजियां का हिस्सा 17.6 प्रतिशत है। ऐसे में जैविक व अजैविक दबावों के बलते इतनी अधिक जनसंख्या को खाद्यान सुखा देना बहुत बड़ी चुनौती है।

इससे पूर्व कृषि महाविद्यालय के डीन डॉ. एस.के. पाहुजा ने डॉ. रामधन सिंह द्वारा कृषि क्षेत्र में दिए गए अभूतपूर्व योगदान की प्रियता जानकारी दी। उन्होंने कहा कि देशी गेहूं की किस्म सी-306 जैसे खाने में सबसे स्वादिष्ट माना जाता है, के जनक भी डॉ. रामधन सिंह ही थे। उन्होंने कहा उनकी याद और युवा वैज्ञानिकों के प्रेरणा स्रोत के रूप में मार्गदर्शन के लिए विश्वविद्यालय में उनके नाम से रामधन सिंह बीज फार्म की स्थापना भी की गई है। अनुसंधान निदेशक डॉ. जीत राम शर्मा ने धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के अधिकारी, निदेशक, विभागाध्यक्ष सहित विद्यार्थी मौजूद रहे।



रामधन सिंह ने अपने जीवन में गेहूं चावल, जौ तथा दलहनों की 25 जात किस्मों को विकसित किया जिनके परिणामस्वरूप भारतीय उपजल्दीप में खाद्यान उत्पादन में अभूतपूर्व वृद्धि हुई।

वैज्ञानिक कर्म कृषि की जल्दी समस्याओं पर अनुसंधान प्रो. काम्बोज ने डॉ. रामधन सिंह को अद्वैतज्ञि दी तथा कहा कि वैज्ञानिकों व विद्यार्थियों को उनसे प्रेरणा लेनी चाहिए और

की हुई कम पैदावार इसका साथ है। उन्होंने कहा मौसम की सर परिस्थिति व अन्य जैविक और अजैविक दबावों से निपटने के लिए वैज्ञानिकों के स्तर पर फसलों की उत्पुक्त किस्मों के साथ-साथ आकस्मिक कार्ययोजना तैयार करने की बहुत जरूरत है। इस योजने पर कुलपति ने कीट विज्ञान विभाग के वैज्ञानिकों द्वारा



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम चिराग टाइम्स	दिनांक 09.05.2022	पृष्ठ संख्या --	कॉलम --
------------------------------------	----------------------	--------------------	------------

डॉ. रामधन सिंह ने गेहूं, चावल, जौ तथा दलहनों की 25 उत्थान किसियों को विकसित किया : प्रो. काम्बोज



चित्रण दावूम्ब नगर

हिंसा : सुरक्षारूप वृत्ति विवरणक रीट बदलने की राजधानी द्वारा कोर्ट द्वारा के लिए उत्तर भारत में अप्रूपता घोषणाने देने के लिए उत्तर भारत भी यह समझने के सबसे बड़े विकास जगत है। इंदिरागंगा और पंचायत उपर्याही में हीरात उत्तर भारतीय के दीर्घायत अवश्य के अवधारणा और अवधारणा में भी उत्तरभित्तीय प्राप्त की गई तो उनके द्वारा अवधारणा करने का सुधार कार्यक्रमों को अवधारणा का विवरण ही समझ ही सकता है।

ऐसे व्यापक विद्युतिकर्ता और उनके प्रोग्राम को प्रशंसनीय बतौर जा सकता है। ये विद्युत धौधूषि व्यवस्था मिह इंसानियत की विश्वसनीयता के लकड़ीती ही, जी, अब, वास्तविक ने यह किया। ने विश्वसनीयत में स्वयंभी एक बहादुर ही, यथापन मिह की जगही को उत्तमता में आवेदित एक कार्यकरम में जारी गुणवत्तियाँ दीक्षित की हैं। उन्होंने कहा है कि इस यथापन विद्युत के विभिन्न विधाओं की ओर से विभिन्न

जनकर्मक न उपचार करता कर तो नहीं लकड़ी दिलवाएँ
इनका कर भारत ही नहीं अस्सी दुकानों में
अलग पहचान बर्खा है। उनके द्वारा विवर की गई
वासमानी चालू की 320 किलो की वर्दीता
में भारत वासमानी चालू का बाजारे बहु-
निर्भयक है। उन्होंने बताया था, यात्राएँ शिंहों ने
उपर्योगी वस्त्र में गेहूं, चालू, जो उत्तर द्रष्टव्यों
की 25 तात किलों की विक्रीस्थिति

वीसी बोले, स्थान उत्पादन
ने अभूतपूर्व योगदान के
लिए ध्याद किए जाते हैं
स्वर्गीय डॉ. रामधन सिंह

विज्ञानिक करें कृपि की जलसंत सम्पर्कों पर अधिनियम

प्र० काल्पोक ने डॉ. गणेश मिंह को
द्वारा बताया गया कहा कि वैज्ञानिकों व
विद्यार्थियों को उनसे प्रेरणा सेवी चाहिए, जीव
विज्ञान व जलवायन के साथ कृषि जौ जलवायन
विद्यार्थियों को लेकर अनुसंधान कार्य करते हुए
उनको खाताराम राधा पोषण मुख्या प्रदान करने
योग्यतम् देका चाहिए।

उन्होंने काहा गीरज में विजय ही रखा तथा बूढ़ी पैदावार के लिए गंधीर भूमि की ओर कर रहा है। यह याचन यह में तापावल में दृष्ट होने के कारण गैर की हुई कम पैदावार का साधन है। इस प्रकार पर्यावरण में वैट जन विभान के वैविकों द्वारा उत्तराधिकार एवं यह दो मैन्यूलन का विमोचन किया।

डॉ. जायसवाल ने ये कहा
 इस अवसर पर मीरेंगी बन्ध तो कहीं
 विदान एवं प्रधानमंत्री किञ्चित्कालापात्र परिवार
 के दोस्रों भाई और पौ. जायसवाल ने बल्लभ
 प्रधानमंत्रीवाले परिवार के अंतर्गत गैरु कलाम युवराज
 नवनीति विषय पर मुक्त संभासण दिया और
 देश की गैरु की मात्र की अवृत्ति के लिए
 आपने, देश के कोई प्रबोध नहीं किया।
 विदेश एवं अद्वितीय दृष्टिओं के बावजूद अधिक
 देशवाले देश वाली किसी विवरण नहीं किए जाने
 की अपवाहनता रखते।

ये बोले डॉ. पाहुजा
इसने यूं कहा महाराष्ट्राचा के दोन दौरा
के, पाहुजा वै काहा की देखे गेहूं को किंवद्दं
-300 विदेशी दूधां में समस्त भारतीय याच
आहा आहे, के जनक योग्य राशीनान याचा ही आहे।
उनींनी यश याचाची घट और युवा विजापुरकी
प्रेरणा याचात के रूप में महाराष्ट्राचे के निरूप
महाराष्ट्राचे में उपर्युक्त वापर में राशीनान निश्चित
प्रत्याक्षर की याचाना योग्य आहे।

डॉ. शर्मा ने धन्यवाद किया
अनुसंधान निदेशक जी, भीतर हम हमें ने
प्रयत्न धन्यवाद प्रस्तुत किया। इस अध्ययन पर
अधिकारियता के अधिकारी, निदेशक,
प्रयत्नाधार्य गोविंद शिंदेवर्षी भी उपर थे।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिटी पल्स	09.05.2022	--	--

खाद्यान उत्पादन में अभूतपूर्व योगदान के लिए याद किए जाते हैं डॉ. रामधन सिंह : कम्बोज

सिटी पल्स न्यूज, हिसार। कृषि वैज्ञानिक रॉब बहादुर डॉ. रामधन सिंह द्वारा देश के खाद्यान उत्पादन में अभूतपूर्व योगदान देने के लिए उन्हें आज भी बड़े सम्मान के साथ याद किया जाता है। हरियाणा और पंजाब राज्यों में हरित क्रांति अवधि के दौरान अनाज के उत्पादन और उत्पादकता में जो उपलब्धियां प्राप्त की गईं वे उनके द्वारा स्थापित फसल सुधार कार्यक्रमों की मजबूत नींव के कारण ही संभव हो सका है। ऐसे महान वैज्ञानिकों और उनके योगदान को भुलाया नहीं जा सकता। ये विचार



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने व्यक्ति किए। वे स्वर्गीय रॉब बहादुर डॉ. रामधन सिंह की जयती के उपलक्ष्य में आयोजित एक कार्यक्रम में बतौर मुख्यातिथि

बोल रहे थे।

प्रो. कम्बोज ने डॉ. रामधन सिंह को श्रद्धांजलि दी तथा कहा कि वैज्ञानिकों व विद्यार्थियों को उनसे प्रेरणा लेनी चाहिए और कड़ी मेहनत व लगन के साथ कृषि की ज्वलंत समस्याओं को लेकर अनुसंधान कार्य करते हुए देश को खाद्यान्न तथा योषण सुरक्षा प्रदान करने में योगदान देना चाहिए। इससे पूर्व कृषि महाविद्यालय के डीन डॉ. एस.के. पाहूजा ने डॉ. रामधन सिंह द्वारा कृषि क्षेत्र में दिए गए अभूतपूर्व योगदान की जानकारी दी।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
नभ छोर	09.05.2022	--	--

खाद्यान उत्पादन में अभूतपूर्व योगदान देने वाले डॉ. रामधन सिंह को हकूमि में किया याद

हिसार/ 09 मई/ रिपोर्टर

सुप्रसिद्ध कृषि वैज्ञानिक राव बहादुर डॉ. रामधन सिंह द्वारा देश के खाद्यान उत्पादन में अभूतपूर्व योगदान देने के लिए उन्हें आज भी बड़े सम्मान के साथ याद किया जाता है। हरियाणा और पंजाब राज्यों में हरित क्रांति अवधि के दौरान अनाज के उत्पादन और उत्पादकता में जो उपलब्धियां प्राप्त की गई वे उनके द्वारा स्थापित फसल सुधार कार्यक्रमों की मजबूत नींव के कारण ही संभव हो सका है। ऐसे महान वैज्ञानिकों और उनके योगदान को भुलाया नहीं जा सकता। ये विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने स्वर्गीय राव बहादुर डॉ. रामधन सिंह की जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित एक कार्यक्रम में बतौर मुख्यातिथि व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि इस महान वैज्ञानिक ने विभिन्न फसलों की नई किस्में इजाद कर भारत ही नहीं अपितु दुनिया में अलग पहचान बनाई। उनके द्वारा तैयार की गई बासमती चावल की 370 किस्म की



बदौलत आज भारत बासमती चावल का सबसे बड़ा नियांतक है। उन्होंने कहा डॉ. रामधन सिंह ने अपने जीवन में गेहूं चावल, जौं तथा दलहनों की 25 उन्नत किस्मों को विकसित किया जिनके परिणामस्वरूप भारतीय उपमहाद्वीप में खाद्यान उत्पादन में अभूतपूर्व वृद्धि हुई। प्रो. काम्बोज ने कहा कि वैज्ञानिकों व विद्यार्थियों को उनसे प्रेरणा लेनी चाहिए और कड़ी मेहनत व लगन के साथ कृषि की ज्वलंत समस्याओं को लेकर अनुसंधान कार्य करते हुए देश को खाद्यान तथा पोषण सुरक्षा प्रदान करने में योगदान देना चाहिए। उन्होंने कहा मौसम में निरंतर हो रहा बदलाव कृषि पैदावार के लिए गंभीर चुनौती पैदा कर रहा है। गत मार्च में तापमान में वृद्धि होने के कारण गेहूं की हुई कम पैदावार इसका साक्ष्य है। उन्होंने कहा मौसम की हर परिस्थिति व अन्य जैविक और अजैविक दबावों से निपटने के लिए वैज्ञानिकों के स्तर पर फसलों की उपयुक्त किस्मों के साथ-साथ आकस्मिक कार्ययोजना तैयार करने की बहुत जरूरत है। इस मौके पर कुलपति ने कीट विज्ञान विभाग के वैज्ञानिकों द्वारा प्रकाशित किए गए दो मैन्यूअल का विमोचन

किया। इस अवसर पर गोविंद बल्भ पंत कृषि विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय पंतनगर के प्रोफेसर डॉ. जेपी जयसवाल ने बदलती मौसमी परिस्थिति के अंतर्गत गेहूं फसल सुधार रणनीति के तहत देश की गेहूं की मांग की अपूर्ति के लिए तापमान, रोग व कीट प्रकोप जैसे विभिन्न जैविक व अजैविक दबावों के बावजूद अधिक पैदावार देने वाली किस्में विकसित किए जाने की आवश्यकता जताई। उन्होंने कहा विश्व के मुकाबले भारत के मास केवल 2 प्रतिशत भूमि है जबकि जनसंख्या का हिस्सा 17.6 प्रतिशत है। ऐसे में जैविक व अजैविक दबावों के चलते इनी अधिक जनसंख्या को खाद्यान सुरक्षा देना बहुत बड़ी चुनौती है इससे पूर्व कृषि महाविद्यालय के डीन डॉ. एसके पाहुजा ने डॉ. रामधन सिंह द्वारा कृषि क्षेत्र में दिए गए अभूतपूर्व योगदान की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि देशी गेहूं की किस सी-306 जैसे खाने में सबसे स्वादिष्ट माना जाता है, के जनक भी डॉ. रामधन सिंह ही थे।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम
हांसी क्रांति

दिनांक
09.05.2022

पृष्ठ संख्या

कॉलम

--

--

खाद्यान उत्पादन में अभूतपूर्व योगदान के लिए याद किए जाते हैं स्वर्गीय डॉ. रामधन सिंह- प्रो. बी.आर. काम्बोज

हांसी क्रांति न्यूज़

हिसार : तुशीनिक रूपी वैज्ञानिक गौव बहादुर डॉ. रामधन सिंह द्वारा देश के खाद्यान उत्पादन में अभूतपूर्व योगदान देने के लिए उन्हें जांच भी बड़े सम्मान के साथ याद किया जाता है। हरियाणा और पंजाब राज्यों में सरित क्रांति अधिकारी के द्वारा उन्होंने के द्वारा उत्पादन और उत्पादकता में जो उत्कृष्टियां प्राप्त की गई वे उनके द्वारा स्वाक्षरित प्रसल सुधार कार्यक्रमों को भवित्व नीति के कारण ही संभव हो सकता है। ऐसे नहान वैज्ञानिकों और उनके योगदान को धूलिया नहीं जा सकता। ये विचार वीथरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कूतुपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने व्यक्त किए। वे विश्वविद्यालय में स्वर्णी दंत बहादुर डॉ. रामधन सिंह की कृतियों के उत्पत्ति में

आवाजित एक कार्यक्रम में वहाँ शुभान्निधि बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि इस महान वैज्ञानिक ने विभिन्न प्रसलों को नई किसमें इनाद कर भारत ही नहीं अपनी दुनिया में अलग पहचान बनाई। उनके द्वारा तैयार की गई वासानी चबूत्र की 370 किमी की बदौलत आज भारत का सामानी चबूत्र का सबसे बड़ा नियोनिक है। उन्होंने कहा कि डॉ. रामधन सिंह ने अपने जीवन में गेहू़, चबूत्र, जीरा तथा दलहनों की 25 जल्द किस्मों को विकसित किया जिनके परिणामस्वरूप भारतीय उत्पादहालीय में खाड़ी उत्पादन में अभूतपूर्व वृद्धि हुई।

वैज्ञानिक करें कृषि की जल्दत समस्याओं पर अनुसंधान-प्रो. काम्बोज



ने डॉ. रामधन सिंह को ब्राह्मजीत दी तथा कहा कि वैज्ञानिकों व विद्यार्थियों को उन्हें प्रेरणा देनी चाहिए और कही भेदनत व लगान के साथ कृषि की जल्दत समस्याओं को लेकर अनुसंधान कार्य करते हुए देश को खाद्यान तथा योग्य सुरक्षा प्रदान करने में योगदान देना चाहिए। उन्होंने कहा योग्य में निरंतर ही रहा कदत्तत कृषि पैदावार के लिए, गंधीर चुनौती पैदा कर रहा है। गत मार्च माह में लापाल में यूपी होने के बाद गेहू़ को हुई कम पैदावार इसका साधन है। उन्होंने कहा योग्य की हर परिस्थिति व अन्य वैज्ञानिक और अवैज्ञानिक दबावों के चक्करे इनी अपीलक बनसेखा को खाद्यान सुरक्षा देना बहुत बहुत चुनौती है। इसमें गूर्ह कृषि प्रशासन के द्वान त्रौ. एस.के. पाठ्यना ने दी रामधन सिंह द्वारा कृषि क्षेत्र में दिए गए अभूतपूर्व योगदान की विस्मृत जानकारी दी। उन्होंने कहा कि देशी गेहू़ की किसी सी-206 जिसे जाने में सफल स्थानिक मान जाता है के जनक भी डॉ. रामधन सिंह ही थे। उन्होंने कहा उनकी याद और दुआ वैज्ञानिकों के प्रेरणा स्रोत के रूप में पार्श्वदर्शन के लिए विश्वविद्यालय में उनके नाम से रामधन सिंह बौज जन्म की स्थापना भी की गई है। अनुसंधान निदेशक डॉ. जीत राम शर्म ने घन्यवाद प्रस्ताव प्रतुत किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के अधिकारी, निदेशक, विभागाध्यक्ष सहित विदार्थी भी जूट हो-



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम
चिराग टाइम्स

दिनांक
09.05.2022

पृष्ठ संख्या

कॉलम

-- --

किसान की समस्या हमारी समस्या, विश्वविद्यालय से जुड़कर उठाएं लाभ : प्रो. बीआर काम्बोज

कपास की फसल में ज
उठानी पड़े किसानों को
समस्या, संज्ञान लेते हुए
टीम के साथ फील्ड में उतरे
एथेयू के कुलपति



चिराग टाइम्स न्यूज
हिसार। किसान की समस्या को अपनी समस्या मानकर विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक लगातार अनुसंधान कार्य कर रहे हैं। उनका एक ही लक्ष्य है कि किसान को मेहनत बेकार न जाए और उसके द्वारा बोई गई फसल सही समय पर अच्छे से तैयार हो ताकि उसको भरपूर पैदावार मिल सके। ये विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार के कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज ने कहे। ये कृषि विज्ञान केंद्र व कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के की ओर से आयोजित किसान गोष्ठी कार्यक्रम को बतार मुख्यतः संबोधित कर रहे थे। इस संगोष्ठी का विषय कपास उत्पादन में कृषि कियारे तथा बीटी कपास में गुलाबी सुंदरी प्रबंधन था। उन्होंने कहा कि वैज्ञानिक निरंतर मेहनत करते हुए विभिन्न फसलों की उभत किस्मों और तकनीकों को विकसित करने में जुटे हुए हैं ताकि किसानों को अधिक से अधिक लाभ पहुंचाया जा सके।

उन्होंने किसानों से आँखें किया कि वे ज्यादा याली सलाह व कौटनाशकों को लेकर कौं गई से ज्यादा विश्वविद्यालय व उससे संबंधित कृषि सिफारिशों का विशेष ध्यान रखना चाहिए। डॉ. विज्ञान केंद्रों से जुड़कर अधिक से अधिक अविल यादव, डॉ. ओमेंद्र संगवान, डॉ. लाभ उराएं। कुलपति प्रोफेसर बी.आर. करमल मलिक, डॉ. अविल जाखड़, डॉ. काम्बोज ने कहा कि कपास की फसल में किसानों को समस्याओं का सामना ना करना संबंधित अपने व्याख्यान देकर जागरूक किया। पड़े इसलिए कपास सीजन की शुरूआत से ही गोष्ठी में प्रश्नोत्तरी कार्यक्रम भी आयोजित किया गया और मिट्टी-यानी की जाच के विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों को लगातार फील्ड में उतारा हुआ है और ये किसानों की किसानों के समाधान में जुटे हुए हैं। कार्यक्रम में कुलपति को पांडी पहनाकर समानित समस्याओं के समाधान में जुटे हुए हैं। कार्यक्रम में कुलपति को पांडी पहनाकर समानित किया गया।

कृषि वैज्ञानिकों की सलाह व सिफारिशों का स्वेच्छित विशेष ध्यान : विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. बलबान सिंह मंडल ने कहा कि कपास हरियाणा प्रदेश की एक महत्वपूर्ण नगदी कपास हरियाणा प्रदेश की एक महत्वपूर्ण नगदी फसल है। इसलिए किसानों को इस फसल में कृषि वैज्ञानिकों द्वारा समय-समय पर दी जाने वाली सलाह व कौटनाशकों को लेकर कौं गई अधिकारी व क्षेत्र के किसान मीजूद रहे। इस दौरान कपास संबंधी आधुनिक तकनीकों व कृषि समस्याओं को लेकर एक प्रदर्शनी का भी आयोजन किया गया।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम
लोक प्रेरणा

दिनांक
10.05.2022

पृष्ठ संख्या

कॉलम

--

--

वर्तमान संसाधनों का इष्टतम प्रयोग करके कम लागत पर अधिकतम उत्पादन तथा फसलों के विविधिकरण से बढ़ेंगी किसानों की आय प्रो. बी.आर. काम्बोज

लोकप्रेरणा लोकप्रेरणा
आयोजित किया गया किसान
ज्ञानसंकट कार्यक्रम

लोकप्रेरणा लोकप्रेरणा प्रो. चरण सिंह
हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय एवं ग्रन्थालय की विधायिका
विश्वविद्यालय किसान के बलार्थी प्रो.
बी.आर. काम्बोज ने कहा कि कृषि में
विभिन्न संसाधनों का इष्टतम प्रयोग करके
कम लागत पर अधिकतम उत्पादन तथा
फसलों के विविधिकरण से किसानों की
अपवाहनी बढ़ेंगी और किसान के जीवन में
सुखाली अवश्य। उन्होंने कहा कि फसल
अपवाहनी भाला का अवश्य है जो भूमि
की उपरी शीर्ष को बढ़ावे दें इसके फसल

अवधीनों का इष्टतम प्रयोग करना चाहिए।
उपर्युक्त भूमि की ऊपरी लेंक बढ़वे रहे हों प्रौ.
काम्बोज सोमवार को लोकप्रेरणा की अवधीन भूमि
में किसानों के जगहांकता कार्यालय की
मनोरंग बढ़वे रहे थे। वे कृषि विज्ञान केंद्र
किसानों के सूची द्वारा विज्ञान काल्पनिक विभाग
की ओर से लोकप्रेरणा में जानकारी किसान में से
को कमी मुद्रावाहिक संवर्चित कर रहे थे।
इस घोषणे का विषय काम्बोज उत्पादन में कृषि
विद्या लघु बढ़ी काम्बोज में ग्रन्थालय सूची
प्रयोग था। उन्होंने कहा कि विविधिकरण किसान
नेतृत्व करते हुए विभिन्न फसलों को इष्ट
किसानों और लकड़ीकों को किसी भी खाने में
बढ़े हुए है ताकि किसानों को अधिक रूप
अधिक स्वास्थ्य प्राप्त कर सकें। उन्होंने कहा
कि किसान की भूमि जैवी दूषक करने के
प्रति हाथ के लिए स्वयं-स्वयं स
ज्ञानालय तथा सकारात्मक स्वयं से
किसानों को जानकारी देनी चाहिए।



सरकार के सूचियों को ज्ञानालय काम
करने में किसानों का भूमि होता है। उन्होंने कहा
कि प्रटीक के लिए यहां यहां के
ज्ञानालय करने के लिए स्वयं-स्वयं स
ज्ञानालय तथा सकारात्मक स्वयं से
किसानों को जानकारी देनी चाहिए।

किसानों के लिए इस सभा के
प्रतिशत प्रदान करता रहता है। युवा व
विद्यार्थियों में असामर लोकान्तर समाज
में बदलाव तथा सकारात्मक स्वयं से
ज्ञानालय तथा सकारात्मक स्वयं से
किसान को ज्ञानालय तथा सकारात्मक स्वयं से
ज्ञानालय की गुणवाहक या भरपूर ज्ञानालय
द्वारा चाहिए तभी जानक ज्ञान सकारात्मक
समाज के सकारात्मक होते हैं।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
भौनक जागरण लोहारन	10.05.2022	--	--

किसान मेला

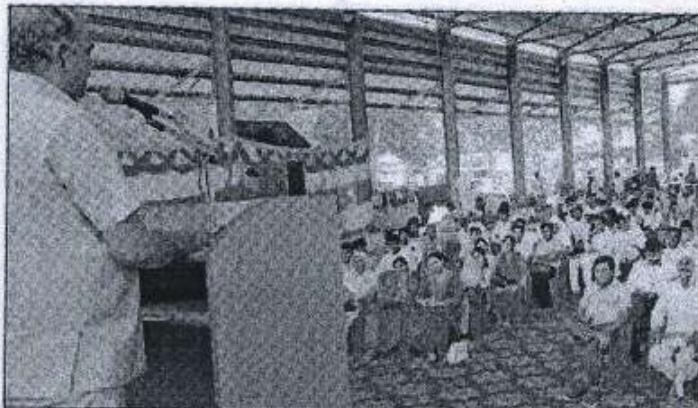
लोहारु अनाज मंडी में आयोजित किसान मेले में पहुंचे एचएयू के कुलपति प्रो. बीआर कांबोज

फसलों के विविधीकरण से बढ़ेगी किसानों की आमदनी

संवाद न्यूज एजेंसी

लोहारु। चौधरी चरणसिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय एवं गृष्मकाल विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय हिसार के कुलपति प्रो. बीआर. कांबोज ने कहा कि कृषि में वर्तमान संसाधनों का अधिकतम प्रयोग करके कम लागत पर अधिकतम उत्पादन और फसलों के विविधीकरण से किसानों की आमदनी बढ़ेगी। किसान के जीवन में खुशहाली आएगी।

उन्होंने कहा कि फसल अवशेष धरती माता का आवरण है, जो कि भूमि की उर्वरा शक्ति को बढ़ाते हैं। इसलिए फसल अवशेषों का उचित प्रबंधन करना चाहिए, ताकि भूमि की उर्वरा शक्ति बढ़ी रहे। वे सोमवार को लोहारु अनाज मंडी में आयोजित किसान मेले में किसानों को बताए मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे। कपास उत्पादन में कृषि



लोहारु में किसान मेले को संबोधित करते हुए कुलपति प्रो. बीआर कांबोज। छात्र

कियाएं और बीटी कपास में गुलाबी सुंडी स्टाल लगाकर किसानों को बागवानी फसलों प्रबंधन विषय पर आयोजित किसान मेले के के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि किसान दौरान बागवानी और प्रभातीरील किसानों द्वारा की भेजनत, बैज्ञानिकों का ज्ञान व सरकार की

फसल अवशेष धरती का आवरण हैं, जो बढ़ाते हैं भूमि की उर्वरा शक्ति

मुख्य तीनों को मिलाकर काम करने से किसानों का भला होगा।

उन्होंने किसानों को परंपरागत खेती की बजाय फल, फूल, बागवानी, मञ्जी की समर्पित खेती करने के लिए प्रेरित किया। कृषि विभाग के उपनिदेशक डॉ. आत्मराम गोदारा, विस्तार विद्या निदेशक डॉ. बलचंद्र सिंह, डॉ. ओमेंद्र सांगवान, डॉ. करमस नरसिंह, डॉ. अनिल जायड़, डॉ. मनमोहन सिंह, कृषि विज्ञान केंद्र के वरिएट देवेलपर्स डॉ. उमेश शर्मा आदि ने विभिन्न फसलों की जानकारी दी। इस मौके पर चेयरमैन दीलमाराम सोलंकी, कमल सेनी, एडवोकेट संजय नेहरा, रमदत पहाड़ी, बंटी तायल, महेश गांधी, रोहताम लाला, बलचंद्र गोठड़ा और विल्ल बीड़ीसी भी जूटे थे।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

सम्प्रचार पत्र का नाम
दोनों जनशक्ति

दिनांक
10.05.2022

पृष्ठ संख्या

कॉलम

--

--

वर्तमान संसाधनों का अधिकतम प्रयोग से बढ़ेगी आयः कंबोज

संवाद सहवाही लोहरु : चौ. चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय एवं गरु जंभेश्वर विज्ञान एवं प्रैद्योगिकी विश्वविद्यालय हिसार के कुलपति प्रा. श्री आर. कंबोज ने कहा कि कृषि में वर्तमान संसाधनों का अधिकतम प्रयोग करके कम लागत पर अधिकतम उत्पादन तथा फसलों के विविधकरण से किसानों की आमदानी बढ़ी। इसी से किसान के जीवन में सुशाहाली आएगी। फसल अवश्य धरों मात्र का आवश्यक है जो भूमि की उत्तर्वश सक्षित का बढ़ाते हैं। इसलिए फसल अवश्यक व्यायाम प्रबोधन करना चाहिए ताकि भूमि की उत्तर्वश सक्षित बनी रहे। मेले में मिट्टी-पानी की जांच के अलावा भौमिक संरक्षण कार्यों के लिए निष्पूर्ण धन्यवाद दिया गया।

प्रा. कंबोज सोमवार को लोहारु की अनाज मंडी में कृषि विज्ञान केंद्र भिवानी व कृषि एवं किसान कल्याण विभाग की ओर से आयोजित किसान मेले को बतौर मुख्यमन्त्री की संचारित कर रहे थे। इस मेले का विषय किसान उत्पादन में कृषि क्रियाएं तक और



किसान मेले में कापास की फसल के बारे में कृषि विज्ञानिकों से जानकारी लेते कुलपति। * विडियो।

कपास में गुलाबी सुंदरी प्रबंधन वा।

उन्होंने कहा कि किसानों की सुशाहाली के लिए वैज्ञानिक नियंत्रण महत्व करते हैं एवं किसान कल्याण विभाग की ओर से आयोजित किसान मेले को बतौर मुख्यमन्त्री की संचारित कर रहे थे। इस मेले का विषय किसान उत्पादन में कृषि क्रियाएं तक और

आत्मायम गोदवरा ने किसानों को मेरे फसल में रुच्यों पोर्टल पर फसल का पंजीकरण करवाने के कहा। विसार शिक्षा निदेशक डा. ललचान राजेंद्र मंडल ने फोल्ड में जुटे कृषि विज्ञानिकों से आत्मायम किया कि वे किसानों के साथ मिलकर उनकी समस्याओं के समाधान के लिए जुटे रहें।

मेले में डा. आमेंद्र सांगवान, डा. कमल मलिक, डा. अमिल जाखड़, डा. मनमोहन सिंह, डा. उमेश शर्मा, डा. मुरुशंकर लाल, डा. गुलाब, डा. मीनू, डा. योगिता, डा. ममता पंगाट, डा. रामकुमार, डा. स्मेश बादव आदि ने कपास व मूँग आदि की फसल में उत्पादन बढ़ाने तक आमारियों की रोकथाम के लिए किसानों को जानकारी दी। कार्यक्रम में संयुक्त निदेशक डा. गमग्रताप सिंहाग, डा. सुनोल दांड्य, डीएचओ डा. देवीलाल, एसटीएओ इंश्वर सिंह, हफ्को के वरिष्ठ प्रबंधक कृष्ण कुमार राणा, चेवर्सैन दीपलत राम सोलकर, एडवोकेट संजय नेहरा, रामदत्त पहाड़ी, बटी तायल, रोहतास लांबा आदि अनेक लोग मौजूद थे।

* * * * *



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दीरपणा दी डावाज़	10.05.2022	--	--

कृषि मंत्री जेपी दलाल के निर्देश पर लोहारू की अनाज मंडी में आयोजित किया किसान जागरूकता कार्यक्रम

एचएयू के वीसी प्रोफेसर बीआर कंबोज ने किसान जागरूकता कार्यक्रम को किया संबोधित

लाइक्रम (एचडीएप ब्लॉरो)। जो चरण
सिंह त्रिवियाणा की प्रतिविधितात्मक पृष्ठ
मुक्त वर्गधर्म विनाश एवं प्रोटोकोलो
विविधानात्मक दिव्यार के फूलपति प्रौ
दी आर अव्योग ने कहा कि कृष्ण में
वर्णाचार सम्पर्कों का उत्तम विवरण
करने का बहुत अधिकार उत्तम
तथा प्राकृतिक के प्रतिविधितात्मक से किसी भी
जीवान्तरों विद्युती और किसी सम्म
ज्ञान में सुझावात्मक अभावी। उक्तोंने कहा
कि कल्पना अवश्यक भवति मात्र का
अवश्यक है जो भूमि की ऊँचाई तकी को
वसृष्टि से उपर विसर्जन करत्वात् अवश्यकों का
प्रयोग प्रबलम् करना चाहीय ताकि पृथि
वी उत्तम विकास करे।

प्रो. कामेज खेडपार ने लोहांक की अवधारणा में विस्तृतों के जागरूकता कार्यक्रम को समोरित कर रखे थे। वे उन्हीं विद्यालयों को बढ़ावा देंगे जिनमें विद्यार्थी और अधिकारी एवं शिक्षक भी होंगे और ऐसे नियमों के अनुसार विद्यालय में विद्यार्थी एवं शिक्षक द्वारा विद्यार्थी एवं शिक्षक के बीच सम्बन्धों की विश्वासीता बढ़ावा दिया जाए। इस दृष्टि में विद्यालय कामेज लोहांक में अद्यतन किया एवं तथा बांटों कामेज में युवाओं में प्रशंसनीय प्रभाव लाया जाए।

उन्होंने कहा कि विद्यालय की मेडिनल
विश्वविद्यालय का जान व सरकार को
सुझाया तो वो निर्मलापुर काल करने से
विद्यालय का भाग होगा। उन्होंने कहा कि
प्रदेश के कृषि बड़ी जैवी विद्यालय के



निर्वाचनमुक्त विज्ञानिकों को दीप लवायाएँ
काहस उत्सुकित थेंगे ये किसानों को
जग्गाकाल काटने के लिए समय-भाष्म पर
जग्गाकाल शिखिएँ जो उत्तरवर्णन कर
किसानों को जग्गाकाल काट गयी होउन्होंने
कहा कि विभिन्नविधालय तर समय
किसानों को सो सेवा के लिए तैयार हो और
किसानों को विभिन्नविधालय से बढ़कर
अधिकारिक रुपानीदें ये कठिन किया
की जग्गाकाले लेने चाहिए। साथ ही साथ
यिदि जापे जल्द प्रशिक्षण इसित कर
अपने उत्तरवर्णन का मृद्घ संरचनाव कर
सकते हो और अपने आप मे बढ़ावारी
कर सकते हों। इसके लिए विभिन्नविधालय
समाजावर किसानों के द्वारा के लिए इस
सरकार के प्रशिक्षण प्रदान करता रहता है।
बूढ़ा ब विज्ञान नूतनीयों में अपना
खोजकार समयमें ये बढ़ावारी ले सकते हैं।
साथ ही किसानों की वैज्ञानिक
समाजावर किसानों को भेजन तर बरकरार

की सुनियोग के काम भए। पालवा उसने चाहिए तभी जबर दस्त सफलता हासिल की ही सकती है। उसने कहा कि प्रदेश र केंद्र समकार विवादों के लिए किसी अनेक कानूनप्रणाली गठन करें ताकि वह रही है ताकि किसानों का अधिक मान्यता दें और अधिक प्राप्ति हो सकें। इनके अलावा किसानों से भी अपनी फसलों के अधिक उत्पादन हासिल करने के लिए परामर्श देने की वजह काल, कृष्ण, आवश्यकी, सभी अधिक जौ ममत्वावाले खेतों पर जड़ रेत होंगा। कामल विविधकरण को अननन अवलंब समझ की जगह है जिससे न करके अनननी बढ़ी वैकाश प्रवर्द्धना मिल सकती है। कृष्णने जै बहुत कि किसानों को समरक जौ की विवरणों का प्रयोग करके नुस्खा विकास प्रयोग प्रयोग करने की अननन चाहिए। जिससे पाली की अचत लेंगे और उत्पादन में

बहुत उच्चमें कहा कि विद्युतिकाल के विज्ञानकों की दीमे इस बाहर लगातार किसानों के फोल्ड में जाकर काशन व अन्य फैलों को समाप्ताजों के समाधान को लेकर किसानों का उपराजन प्राप्त होता है।

इस दौरान सभी विभाग के उन निर्देशकों द्वारा अत्यन्त गंभीरता ने कठीन विभाग को योग्यताओं के लिए में विभावन में लानी की। उन्होंने विभागों को बढ़ावा देने के लिए फैसला लिया जबो योग्य प्रबन्ध पर फलाने का प्रयोगकरण करनावाम को कहा ताकि सम्प्रकार करने वालों द्वारा या लोग मिल सके।

किसानों की समस्याओं के समाधान के लिए लगातार फैलों में है औद्योगिक वित्तारा विकास कार्यक्रम जैसे अन्यान्य कार्यक्रमों में भी विद्युत ऊर्जा की विकासिती के लिए आवश्यक विधि विधान सभा के सभी वित्तारा सम्बन्धीय पारिशंख सहित किसानों की समस्याएँ के नियन्त्रण के सोलंकी, कमल मंडे, यहां गांधी, एडवर्ड सेतो, नेहरू, रामदास पटेल, बड़ी यात्रा, योगदान लक्ष्मी, कल्पना याज्ञवल्क्य, विनोद गोदान, वल्लभ अद्धर, विजय विठ्ठली, गजेंद्र पाटेल, महिला भेद के अन्य किसान में चढ़ा रहे।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर टॉड्स	10.05.2022	--	--

लोहारु में कृषि विज्ञान केंद्र का किसान मेला हुआ संपन्न

भास्कर न्यूज | लोहारु

चौ. चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय एवं गुरु जग्मेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय हिसार के कुलपति प्रो. बीआर कम्बोज ने कहा कि कृषि में बर्तमान संसाधनों का इटतम प्रयोग करके कम लागत पर आशिकतम उत्पादन तथा फसलों के विविधिकरण से किसानों की आमदनी बढ़ेगी। इसी से किसान के जीवन में खुशहाली आएगी। फसल अवशेष धरती माता का आवश्यक है जो भूमि की उर्वरा शक्ति को बढ़ावे है। इसलिए फसल अवशेषों का उचित प्रबंधन करना चाहिए ताकि भूमि की उर्वरा शक्ति बढ़ी रहे।

प्रो. कम्बोज सोमवार को अनाज मंडी में किसान मेले को बतार मुख्यातिथि संबोधित कर रहे थे। इस मेले का विषय कपास उत्पादन में कृषि क्लियाएं तथा बीटी कपास में गुलाबी सुंडी प्रबंधन था। उन्होंने कहा कि किसानों की खुशहाली के लिए वैज्ञानिक निरंतर मेहनत करते हुए विभिन्न फसलों

समस्याओं को लेकर फील्ड में हैं वैज्ञानिक

विस्तार शिथा निदेशक डॉ. बलवान सिंह मंडल ने फील्ड में जुटे कृषि वैज्ञानिकों से आह्वान किया कि वे किसानों के साथ मिलकर उनकी समस्याओं के समाधान के लिए जुटे रहें। किसानों को कृषि वैज्ञानिकों द्वारा समय-समय पर दी जाने वाली सलाह व कीटनाशकों को लेकर की गई सिफारिशों का विशेष ध्यान रखना चाहिए। मेले में डा. ओमेंद्र सांगवान, डॉ. कमल परिक, डॉ. अनिल जाखड़, डॉ. मनमेहन सिंह, डॉ. उमेश शर्मा व डा. रमेश यादव आदि ने कपास व गूग आदि की फसल में उत्पादन बढ़ाने तथा बीमारियों की रोकथाम के लिए किसानों को जानकारी दी। मेले में लकी डा भी निकाले गया।

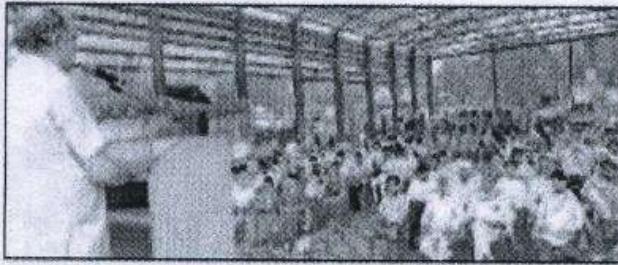
की उन्नत किस्मों और तकनीकों को विकसित करने में जुटे हुए हैं। किसान की मेहनत, वैज्ञानिकों का ज्ञान व सरकार की सुविधा तीनों को मिलाकर काम करने से किसानों का भला होगा।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हरि भूमि लोट्टरी	10.05.2022	--	--

किसान खेती में वर्तमान संसाधनों के प्रयोग कर अधिक लाभ उठाएं



ये धरण सिंह हरियाणा कुप्त
विश्वविद्यालय एवं मुकु अभ्यन्तर
विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी
विश्वविद्यालय दिल्ली के कुलपति
प्रो. योगेन्द्र कम्पेज ने कहा कि
कृषि में बड़तावान् संसाधनों का

REFERENCES 1. Bazzocchi M, Cappelli R, Caviglioli A, et al. Human umbilical cord blood stem cells differentiate into myelinated peripheral nerve fibers. *J Neurosci Res* 2000;50:45-52.

माता का आवरण है जो भूमि की
उंचाई शक्ति के बहाने है इसलिये
फसल अवशेषों का तात्पत्र प्रवचन
करता रहता है ताकि भूमि की उंचाई
शक्ति कभी रहे। वे सोमधार के

लोहार अनावरमड़ी में काँप पड़ी
जैसे दलत के निरेक वर
अलीबित किसान मंसो में किसानों
को काँप मुहुरातीय मध्यविहृत
कर रहे थे।

कायम उत्तरदान में कृषि
कियाये तथा सीधी कायम वे पूर्णतया
मुक्ती प्रवर्धन विषय पर आधिकारित
इस किसान मंत्री के द्वारा बनाया गया
और प्रयोगशील किसानों द्वारा
स्टॉल लगाकर किसानों को
बहुमानी फसलों के लिए प्रोत्त
सिद्धि प्रदान। उत्तरदान कहा कि किसान
की मनोवृत्ति वैज्ञानिक ज्ञान और
मानकर्ता को सुनिश्च तीनों को
सिविलिक कल्प करने दें किसानों का

लेना। उन्होंने कहा कि प्रदेश परियोजना में जैव और जलवायन के उत्तम वैज्ञानिकों की टीमों द्वारा काम कराया जाएगा। संगी भी वे को जारीकर करने के लिए बहु-समय पर जारीकरता है। यह आवेदन करता है। उन्होंने कहा कि वे तो यहाँ रहते हैं। उन्होंने कि विधिविवरण इस समय तक भी संपादन के लिए तैयार है। उन्होंने को विधिविवरण में जारी करने की विचारक तकनीकी विधियों की जानकारी दी। उन्होंने किसीने को विधिविवरण में जारी करने की कठिनी कहा, जिसकी अभी वही थी। उन्होंने किसीने को विधिविवरण में जारी करने की कठिनी कहा, जिसकी अभी वही थी।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

सम्मेलन पत्र का नाम
दृष्टिगत बातें

दिनांक
10.05.2022

पृष्ठ संख्या

कॉलम

--

--

फसलों के विविधिकरण से बढ़ेगी किसानों की आय : प्रो. कंबोज

एच.ए.यू. के वी.सी. प्रोफेसर बी.आर. कंबोज ने किसान जागरूकता कार्यक्रम को किया सम्बोधित

लोहारू, 9 मई (प्रदीप) : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय एवं गुरु जग्मेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय हिसार के कुलपति प्रो. बी.आर. कंबोज ने कहा कि कृषि में वर्तमान संसाधनों का इन्हाँत प्रयोग करके काम लागत पर अधिकतम उत्पादन तथा फसलों के विविधिकरण से किसानों की आमदानी बढ़ेगी और किसानों के जीवन में खुशहाली आएगी। उन्होंने कहा कि फसल अवशेष भरती माता का आवरण हैं जो भूमि की उर्वरा शक्ति को बढ़ाते हैं इसलिए फसल अवशेषों का उचित प्रबंधन करना चाहिए ताकि भूमि की उर्वरा शक्ति बनी रहे।

प्रो. कंबोज सोमवार को कृषि विज्ञान केंद्र भिवानी व कृषि एवं किसान कल्याण विभाग की ओर से लोहारू में आयोजित किसान मेले को बताए मुख्यातिथि संबोधित कर रहे थे। इस मेले का विषय कपास उत्पादन में कृषि क्रियाएं तथा बी.टी. कपास में गुलाबी सुंडी प्रबंधन था। उन्होंने कहा कि वैज्ञानिक नियंत्र मेहनत करते हुए विभिन्न फसलों की उन्नत किस्मों और तकनीकों को विकसित करने में जुटे हुए हैं ताकि किसानों को अधिक से अधिक लाभ पहुंचाया जा सके।

उन्होंने कहा कि किसान की मेहनत, वैज्ञानिकों का ज्ञान व सरकार की सुविधा तीनों को मिलाकर काम करने से किसानों का भला होगा। कुलपति



आयोजित प्रदर्शनी का अवलोकन करते हुए कुलपति प्रो. बी.आर. कंबोज,

ने कहा कि किसानों को सरकार की योजनाओं का फायदा उठाकर सूक्ष्म सिंचाई प्रमाण प्रणाली को अपनाना चाहिए जिससे पानी की भी बचत होगी और उत्पादन भी बढ़ेगा। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों की टीमें इस बार लगातार किसानों के फील्ड में जाकर कपास व अन्य फसलों की समस्याओं के समाधान को हेतु किसानों को जागरूक कर रही हैं।

इस दौरान कृषि विभाग के उप निदेशक डा. आत्मराम गोदारा ने कृषि विभाग की योजनाओं के बारे में विस्तार से जानकारी दी। कार्यक्रम में कुलपति को पगड़ी पहनाकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर कपास संबंधी आयुनिक तकनीकों व कृषि समस्याओं को लेकर एक प्रदर्शनी का भी आयोजन किया गया।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम

दिनांक

पृष्ठ संख्या

कॉलम

10.05.2022

— 1 —

1



को लीलाक की जगत जीती है उसने कहा कि इससे वह कहें तो निर्दिष्ट ही अन्तर्गत योगदान
किसानों के सम्बन्ध में अधिकार को विशेषज्ञ कर रहे हैं। ये कथि
तिवार्ण को अपने विभिन्न विषयों पर रखते हैं। ये कथि
तिवार्ण कल्पनाएँ विभिन्न कांडों
में अधिकार के सम्बन्ध में अधिकार को विशेषज्ञ कर रहे हैं। इनके
अनुसार कल्पनाएँ को जीवनवृत्त तथा ये विभिन्न से जातीयों की
जीवन लीडी विशेषज्ञों का अधिक उन्नयन किसानों द्वारा की जानी चाही
ये अधिकार प्रदान की जाती है। इनके अनुसार कोटि करों का विभिन्न का
अन्तर्गत योगदान होता है। इनके अनुसार कोटि करों का विभिन्न का
प्रदान होता है। ये अधिकार उन्नयन के लिए अन्तर्गत होता है। ये अधिकार
करने के लिए योगदान लाने की जगह

सभासभाओं के सभाधान के लिए स्वयं

पर्वतम् देहं च

प्राचीन योगवाक्य सिंह गोदावरि ने उपर्युक्त वैत्तिकों के बीच विवरणों के साथ विवरण समाप्त-समाप्त पर अब उनके लिए अनुरूप होते हैं। विवरणों को अधिक वैश्विकों द्वारा और जन यात्री समाज के वैदेशिकों को लेने की गयी विवरणों की विवरण समाप्त होता है। यह अपेक्षित विवरण का अनुभव होता है।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
	10.05.2022	--	--

वर्तमान संसाधनों का इष्टतम प्रयोग करके कम लागत पर अधिकतम उत्पादन तथा फसलों के विविधिकरण से बढ़ेगी किसानों की आयः प्रो. बी.आर. काम्बोज

लोहार की अनाज मंडी में आयोजित किया गया किसान जागरूकता कार्यक्रम

अमित बालिया लोहार। चौ. चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय एवं गुरु जम्बेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय हिसार के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने कहा कि कृषि में वर्तमान संसाधनों का इष्टतम प्रयोग करके कम लागत पर अधिकतम उत्पादन तथा फसलों के विविधिकरण से किसानों की आमदानी बढ़ेगी और किसान के जीवन में सुशाहाली आएगी। उन्होंने कहा कि फसल अवशेष धरती माता का आवरण हैं जो भूमि की उंचाई शक्ति को बढ़ाते हैं इसलिए फसल अवशेषों का उचित प्रबंधन करना चाहिए ताकि भूमि की उंचाई शक्ति बनी रहे।

प्रो. काम्बोज सोमवार को लोहार की अनाज मंडी में किसानों के जागरूकता कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। वे कृषि विज्ञान केंद्र भिवानी व कृषि एवं किसान कल्याण विभाग की ओर से लोहार



में आयोजित किसान मेले को बतौर मुख्यातिथि संबोधित कर रहे थे। इस मेले का विषय कपास उत्पादन में कृषि कियाए तथा बीटी कपास में गुलाबी सुंदरी प्रबंधन था। उन्होंने कहा कि वैज्ञानिक नियंत्रण मेहनत करते हुए विभिन्न फसलों की उत्तम किस्मों और तकनीकों को विकसित करने में जुटे हुए हैं ताकि किसानों को अधिक से अधिक लाभ पहुंचाया जा सके। उन्होंने कहा कि किसान की मेहनत, वैज्ञानिकों का ज्ञान व सरकार की सुविधाओं को भरपूर फायदा उठाना चाहिए तभी जाकर उसे सफलता हासिल हो सकती है।

मिलाकर काम करने से किसानों का भला होगा। उन्होंने कहा कि प्रदेश के कृषि मंत्री जेपी दलाल के निर्देशानुसार वैज्ञानिकों की टीमें लगातार कपास उत्पादित क्षेत्रों में किसानों को जागरूक करने के लिए समय-समय पर जागरूकता शिविरों का आयोजन कर किसानों को जागरूक कर रही हैं। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय हर समय किसानों की सेवा के लिए तैयार है और किसानों को विश्वविद्यालय से जुड़कर आधुनिक तकनीकों व उत्तम किस्मों की जानकारी लेनी चाहिए। साथ ही यहां दिए जाने वाले प्रशिक्षण हासिल कर अपने उत्पादों का मूल्य संवर्धन कर सकते हैं और अपनी आय में बढ़ोतारी कर सकते हैं। इसके लिए विश्वविद्यालय लगातार किसानों के हित के लिए इस तरह के प्रशिक्षण प्रदान करता रहता है। युवा व किसान चुनौतियों में अवसर खोजकर समाज में बदलाव ला सकते हैं। साथ ही किसान को वैज्ञानिक सलाह, किसान की मेहनत व सरकार की सुविधाओं का भरपूर फायदा उठाना चाहिए तभी जाकर उसे सफलता हासिल हो सकती है।